अनुभव: यहाँ मन को शिक्षा से नहीं प्यार से बदला जाता है

दादी के स्पर्श में इतना अलौकिक आनंद मुझे मिल सकता है, ये मैं कभी सपने में भी नहीं सोच सकता था। वो क्षण, वो पल, उन लम्हों को मैंने अपनी यादों में कैद कर लिया है। जब कभी भी आध्यात्मिकता का नाम ज़हन में उठेगा उस समय नाम सिर्फ दादी का और उनके अलौकिक रुहानी तरंगों का ही आयेगा। ऐसा कहना मुम्बई के मशहूर व्यवसायी निरंजन हीरानंदानी का। उन्होंने दादी के साथ और इस परिसर में जो कुछ देखा, उसको उन्होंने अपने शब्दों में कुछ इस तरह बयाँ किया।

यहाँ का माहौल दिल में इतना छा गया है कि हमें कुछ नया एक्सपीरियंस मिल रहा है। ये एक्सपीरियंस सिर्फ शारीरिक नहीं है, क्योंकि यहाँ मौसम बहुत अच्छा है, लेकिन एक दिल-दिमाग में या कोई अंदरूनी बात आ रही है जहाँ मन में एक परिवर्तन आ रहा है। लोग ये सोचते हैं कि ये परिवर्तन कैसे हो सकता है! मैं 66 साल का हूँ और ज़िन्दगी के कई सारे अनुभव कर चुका हूँ, लेकिन यहाँ आकर मुझे एक और अनुभव प्राप्त हो रहा है। इस अनुभव में शरीर से जो भिन्न है उसे जानने का अवसर प्राप्त हो रहा है। ज़्यादातर लोग शिक्षा देते हैं, लेकिन यहाँ शिक्षा नहीं है, यहाँ प्यार की बोली है, और ये प्यार सिर्फ मनुष्यों को ही नहीं बल्कि खेती को भी दिया जाता है, पेड़-पौधों को भी दिया जाता है। लोग कहते हैं कि आप इस द्वार पर हों तो ही आप सही होंगे, लेकिन यहाँ ये बताया जाता है कि हमें अपने अंदर सदैव प्रेम का भाव रखना चाहिए और यहाँ श्रेष्ठ कर्म पर ही बल दिया जाता है, और यही सत्य भी है। मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि मुझे ये अवसर मिला आप सभी के सम्पर्क में आने का। दादी जानकी जी से सुनने और मिलने का तो सौभाग्य मुझे प्राप्त हुआ ही, साथ ही उनका इतना प्रेम, इतना स्नेह, वात्सल्य मिला कि मैं अपने आपको बहुत ही खुशनसीब महसूस कर रहा हूँ। सौ वर्षीय दादी जानकी जी इस उम्र में भी जितना ध्यान देती हैं, जो लीडरशिप उन्होंने सम्भाला है, वो अवर्णनीय है। मैं इसके लिए आप सभी को बधाई देना चाहता हूँ कि दुनिया की कोई भी संस्था में सौ साल से ऊपर किसी का लीडरशिप नहीं रहा है, ये पहली बार है। मैं यहाँ सभी दादियों और भाई बहनों के लिए यही शुभ कामना करता हूँ कि आप सभी का स्वास्थ्य सदा अच्छा रहे और आपकी उम्र बहुत लम्बी हो ताकि आप जो ये विश्व परिवर्तन का श्रेष्ठ कार्य कर रहे हैं वो ऐसे ही चलता रहे और हमें उसका सौभाग्य प्राप्त होता रहे क्योंकि हमारी शारीरिक शक्ति सीमित है लेकिन आप लोगों की शारीरिक और मानसिक शक्ति असीमित है और ये शक्तियाँ हम सभी को मिलती रहें, मेरी यही शुभभावना है। आपने मुझे यहाँ आने का सौभाग्य प्रदान किया है, इसके लिए मैं आप सभी का तहेदिल से शुक्रिया अदा करता हूँ।

रायागडा-ओडिशा। ओडिशा के नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसद एन. भास्कर राव को शॉल पहनाने के पश्चात् गुलदस्ता व ईश्वरीय सौगात भेंट कर बधाई देते हुए ब्र.कु. श्रीमती।

जालोर-राज.। विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण करते हुए पूर्व विधायक रामलाल मेघवाल, एन.जी.ओ. जागृति संस्थान के डायरेक्टर भूवताराम सोलंकी, ब्र.कु. रंजु एवं अन्य अतिथिगण।

देवबंद-गुज्जरवाड़ा(उ.प्र.)। योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मंचासीन हैं विजय प्रकाश जी,पुलिस निरीक्षक, योगेन्द्र पाल सिंह, पुलिस उपाधिक्षक, ए.के. सिंह,जेलर एवं ब्र.कु. सुरेश बहन।

चुरू-राज.। बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं को तनाव मुक्ति विषय पर बताने के पश्चात् चित्र में अधिवक्ताओं के साथ ब्र.कु. भारत भूषण व ब्र.कु. सुमन।

काठमाण्डू-नेपाल। मातेश्वरी जगदम्बा के स्मृति दिवस पर कार्यक्रम के पश्चात् समूह चित्र में नेपाली सेना के जवानों के साथ ब्र.कु. राज दीदी, ब्र.कु. कुसुम, ब्र.कु. रामसिंह तथा अन्य।

रूपवास-भरतपुर(राज.)। 'एक शाम शिव पिता के नाम' कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए ब्र.कु. कविता, रामप्रकाश गालब,विकास अधिकारी,रूपवास, अल्वेन्द्र सिंह राजावत,प्रधान, ब्र.कु. अविनाश, ब्र.कु. हीरा, ब्र.कु. बबिता, ब्र.कु. अमरसिंह व अन्य।

दिल्ली-जनकपुरी। सेवाकेन्द्र पर आयोजित आध्यात्मिक कार्यक्रम के दौरान सम्बोधित करते हुए महामण्डलेश्वर गायत्री देवी,ई.एम.आई. ब्लेसयू,चीफ ऑफ योगा कनफेडरेशन ऑर्गनाइज़ेशन,इटली। साथ हैं लक्ष्मी ठाकुर सिंघल,सेक्रेट्री,योगा कनफेडरेशन ऑफ इंडिया व ब्र.कु. विजय बहन।

टोंक-राज.। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर जिला कारागृह में कैदी भाइयों के लिए आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित हैं जिला कारागृह अधीक्षक राजेश वर्मा, ब्र.कु. रानी, ब्र.कु. कृष्णा, ब्र.कु. प्रहलाद व अन्य।

इदगाह-आगरा। तम्बाकू निषेध दिवस पर रेलवे स्टेशन पर व्यसन मुक्ति चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए ब्र.कु. अश्विनी, डी.आर.एम. प्रभाष कुमार, ब्र.कु. अमर व ब्र.कु. आशु।

गुवाहाटी-असम। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित 'वर्कशॉप ऑन राजयोग' कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए पी.डी. गोस्वामी,पूर्व डी.जी.पी.,गुवाहाटी, इंदिरा बोरदोलई,पूर्व प्रिन्सीपल,हांडिक कॉलेज, ब्र.कु. राकेश, ब्र.कु. जोनाली व ब्र.कु. मौसमी।

कोसीकलां-उ.प्र.। 'बेटी बचाओ सशक्त बनाओ' अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए एस.डी.एम. विश्व भूषण मिश्रा, ब्र.कु. ज्योत्सना, ब्र.कु. कविता, ब्र.कु. भावना व अन्य।